

डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, मानवता और पाप, सत्र 4, मनुष्य में ईश्वर की छवि

© 2024 रॉबर्ट पीटरसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा मानवता और पाप के सिद्धांतों पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 4 है, मनुष्य में ईश्वर की छवि।

आइए प्रार्थना करें। दयालु पिता, हम आपको धन्यवाद देते हैं कि आपने हमें आपकी छवि में बनाया है ताकि हम आपको जान सकें, प्यार कर सकें और आपकी सेवा कर सकें। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे दिलों को प्रोत्साहित करें। हमारे अंदर काम करें और हमारे परिवारों को आशीर्वाद दें। हम मध्यस्थ यीशु मसीह के माध्यम से प्रार्थना करते हैं।

आमीन। हम मानवता के सिद्धांत का अध्ययन कर रहे हैं, हम मानव जाति की उत्पत्ति का अध्ययन कर रहे हैं, और हमारा तीसरा विषय मानव की संवैधानिक प्रकृति होगी, यानी हम कितने भाग हैं, लेकिन केंद्रीय विषय और मुख्य विषय जहां तक धार्मिक मानवशास्त्र का सवाल है, वह है ईश्वर की छवि। हम बाइबल पर जाने से पहले ऐतिहासिक धर्मशास्त्र से शुरू करते हैं क्योंकि यह हमें कुछ पृष्ठभूमि देता है, और पूरे चर्च के इतिहास में छवि के बारे में अलग-अलग दृष्टिकोण रहे हैं।

लंबे समय तक प्रचलित दृष्टिकोण तथाकथित मूल या संरचनात्मक दृष्टिकोण था, अर्थात्, ईश्वर की छवि मनुष्य के स्वरूप में ही है। अब, मुख्य रूप से शरीर के बारे में न सोचें क्योंकि संरचनात्मक या मूल दृष्टिकोण का मुख्य ध्यान शरीर पर नहीं था, बल्कि केवल हमारे कार्य या भूमिका या हमारे रिश्तों में पाए जाने के विपरीत, मूल दृष्टिकोण का मानना था कि यह मनुष्य के बारे में कुछ है, मनुष्य के रूप में, यही हमारा स्वरूप है। और इसका उत्कृष्ट उदाहरण तर्कसंगतता थी।

भगवान ने आदम और हव्वा को ज्ञान के साथ बनाया, जो उसके बाद उसके विचारों को जानने में सक्षम थे, और उसकी इच्छा को पूरा करने में सक्षम थे, जैसा कि हम देखेंगे जब हम दो पॉलिन ग्रंथों को पढ़ते हैं जो इस विचार की पुष्टि करते हैं; सर्वोच्च रूप से, यह माना जाता था कि ईश्वर की छवि मानवीय तर्क में पाई जाती है। मेरा मतलब है, कौन सा अन्य जानवर ईश्वर को जान सकता है और अपने दिमाग का उपयोग करके उसके वचन को पढ़ सकता है, उससे प्रार्थना कर सकता है, और उसकी इच्छा पूरी कर सकता है? महान मध्ययुगीन धर्मशास्त्री थॉमस एकिनास ऐसे व्यक्ति का एक प्रमुख उदाहरण हैं जिन्होंने हमारे बहुत ही मेकअप, हमारी संरचना में मूल समझ या संरचना की पुष्टि की। फिर से, शरीर के बारे में मत सोचो; आध्यात्मिक संरचना के बारे में सोचो, अगर तुम चाहो, मनुष्य के रूप में।

चर्च के इतिहास में कार्यात्मक दृष्टिकोण बहुत हाल ही में सामने आए हैं। हम 20वीं सदी की बात कर रहे हैं, जहाँ कार्यात्मकता पर ज़ोर दिया जाता है। छवि का स्थान मानवीय तर्कशक्ति में नहीं है, मानवीय अनुभूति में नहीं है, न ही परमेश्वर के विचारों को उसके अनुसार सोचने और उसकी

इच्छा पूरी करने की हमारी क्षमता में है, न ही हमारी संरचना में है, बल्कि हमारे कार्य में है, परमेश्वर ने हमें क्या करने के लिए बनाया है।

और सबसे महत्वपूर्ण, यह दावा किया जाता है, उत्पत्ति में गवाह प्रभुत्व का प्रयोग कर रहा है। भगवान बड़े एल के साथ भगवान हैं। एडम और ईव छोटे एल के साथ प्रभु हैं। वे उसके उप-शासक हैं। वे भगवान, उनके शासक, उनके निर्माता के लिए बाकी सृष्टि पर शासन करते हैं।

इसका एक उदाहरण लियोनार्ड वर्टुन हैं, जिन्होंने इसी विषय पर एक किताब लिखी है, जिसमें छवि के कार्यात्मक दृष्टिकोण पर जोर दिया गया है। और इसे प्रभुत्व तक सीमित नहीं होना चाहिए, यह हमारी अन्य भूमिकाएँ हैं जो हम निभाते हैं। सारगर्भित दृष्टिकोण हमारी बनावट, विशेष रूप से हमारे तर्क पर जोर देते हैं।

कार्यात्मक दृष्टिकोण, हमारी भूमिकाएँ, हमारे कार्य, हमारे द्वारा किए जाने वाले कार्य, विशेष रूप से प्रभुत्व। शायद, संबंधपरक दृष्टिकोण सबसे लोकप्रिय हैं, शायद 20वीं सदी के मध्य में शुरू हुए। और एमिल ब्रूनर इसका एक उदाहरण हैं।

खास तौर पर प्यार, भगवान से प्यार का रिश्ता, व्यवस्थाविवरण 6:5, अपने भगवान से अपने पूरे दिल, आत्मा और अपनी ताकत से प्यार करो। मैंने शायद इसे थोड़ा सा गलत समझा और इसमें थोड़ा मैथ्यू 22 मिला दिया, लेकिन यही विचार है। और फिर अपने पड़ोसी से अपने जैसा प्यार करो, हम बाद में लेविटिकस में कानून में पढ़ते हैं।

छवि का सार हमारा सार नहीं है। क्या आप कहते हैं कि यह दार्शनिक विचारों को दर्शाता है? बेशक, यह दर्शाता है। कई बार, धर्मशास्त्र शरीर पर, दर्शन के कुत्ते, अस्तित्ववाद पर हिलने वाली पूंछ है।

मनुष्य का कोई सार नहीं है; यह बेतुका है, यह कुछ भी नहीं है। नहीं, नहीं, यह हम क्या हैं, यह नहीं कि हम क्या हैं, हम क्या करते हैं, खासकर दूसरों के साथ हमारे संबंध। इसलिए, छवि हमारी संरचना में नहीं, हमारी भूमिकाओं में भी नहीं, बल्कि मुख्य रूप से हमारे रिश्तों में पाई जाती है।

मुख्य रिश्ता ईश्वर के प्रति, सृष्टि के प्रति, और हमारे साथी मनुष्यों के प्रति प्रेम होगा। मैं बस इसे रोक नहीं सकता, लेकिन मुझे अपने निष्कर्षों की ओर इशारा करना होगा। मुझे लगता है कि इन सभी में सच्चाई है।

हम महान पौलीन पाठ, कुलुस्सियों 3 और इफिसियों 4, कुलुस्सियों 3:9 और 10, और इफिसियों 4:22 से 24 को देखेंगे। वास्तव में, छवि का एक संरचनात्मक या मूल पहलू है। हमें परमेश्वर के ज्ञान के अनुसार बनाया गया था। आदम और हव्वा अपने मन से परमेश्वर को जानते थे।

उदाहरण के लिए, आदम जानवरों का नाम बताने में सक्षम था। वे बोलचाल समझ सकते थे। फिर, इफिसियों के दोनों अध्याय, कुलुस्सियों 3 और इफिसियों 4 में ऐसे अंश हैं जो छवि के पुनर्निर्माण के बारे में बताते हैं।

धर्मशास्त्रीय तर्क इस प्रकार है: यदि छवि के पुनर्निर्माण में ज्ञान, कुलुस्सियों 3, धार्मिकता और सच्ची पवित्रता, इफिसियों 4 शामिल है, तो मूल छवि में भी वही चीजें शामिल होनी चाहिए। मुझे लगता है कि यह बहुत ही ठोस तर्क है।

क्या हम सारगर्भित दृष्टिकोण को उन चीजों तक सीमित कर रहे हैं? नहीं, लेकिन शास्त्र विशेष रूप से हमें सोचने की क्षमता दिए जाने की बात करता है, विशेष रूप से ईश्वर की सेवा में, न कि केवल अमूर्त ज्ञान के लिए। और हमारे अस्तित्व को ईश्वर के साथ रिश्ते में पवित्र प्राणी बनाया गया है, जो मानव प्राणी के मूल स्वरूप का हिस्सा है। दूसरे शब्दों में, मनुष्य, मनुष्य के रूप में, मनुष्य के रूप में, सोचने वाले और पवित्र प्राणी हैं, कम से कम वे तो थे।

मानवजाति के लिए एक नैतिक आयाम है और एक बौद्धिक आयाम है। कार्यात्मक दृष्टिकोण सत्य है। भगवान ने आदम और हव्वा को बगीचे की देखभाल करने के लिए रखा था।

उन्हें बगीचे में प्रभु की सेवा करनी थी। उनके पास प्रभुत्व की भूमिका भी थी, जिसका इस्तेमाल वर्दन के हाइफ्रनेटेड अनाड़ी शब्दों का वर्णन करने के लिए किया गया था। वे प्रभुत्व रखने वाले थे।

परमेश्वर, महान प्रभु और राजा के अधीन, वे छोटे स्वामी थे। और उन्हें प्रभुत्व और प्रबंधन का प्रयोग करना था, परमेश्वर की सृष्टि की देखभाल करनी थी और उसके स्थान पर उस पर शासन करना था। संबंधपरक विचार, ओह हाँ, ओह हाँ।

यहाँ भी वास्तविक सत्य है। अर्थात्, परमेश्वर की छवि में परमेश्वर के साथ सम्बन्ध, साथी मनुष्यों के साथ सम्बन्ध, और यहाँ तक कि उस संसार के साथ सम्बन्ध शामिल है जिसमें परमेश्वर ने हमें रखा है। इसलिए, ऐतिहासिक धर्मशास्त्र, इस तरह का एक संक्षिप्त सारांश, हमें कुछ सत्यों की ओर संकेत करता है जिन्हें हमें परमेश्वर के वचन से प्रदर्शित करने की आवश्यकता है।

हालाँकि, प्रत्येक ऐतिहासिक दृष्टिकोण में संपूर्ण चित्र के वास्तविक पहलू शामिल होते हैं। बाइबल में परमेश्वर की छवि के बारे में क्या? बेशक, फिर से, सोला स्क्रिप्टुरा का मतलब यह नहीं है कि हम ऐतिहासिक धर्मशास्त्र की उपेक्षा करें। क्या संरचनात्मक, संबंधपरक और कार्यात्मक दृष्टिकोणों के बारे में न जानना हमारे लिए वास्तव में बेहतर होगा? मुझे ऐसा नहीं लगता।

मुझे लगता है कि यह जानना अच्छा है कि हमसे पहले लोगों ने क्या सोचा था। इसका मतलब यह नहीं है कि हमें इसे अपना ही होगा, हालाँकि इस मामले में, मुझे लगता है कि इनमें से प्रत्येक में सच्चाई का एक तत्व है। मानव जाति में ईश्वर की छवि।

नंबर एक, पुराने नियम में परमेश्वर की छवि में मनुष्य की रचना का तथ्य, जिसमें पतन के बाद भी शामिल है, छवि को बरकरार रखा गया है। यह खराब हो गया है, लेकिन इसे बरकरार रखा गया है। और फिर, छवि की बहाली का पॉलिन सिद्धांत, जिसका मैंने पहले ही मसीह में उल्लेख किया है, कुलुस्सियों 3, इफिसियों 4। और फिर, परमेश्वर की छवि के रूप में मसीह।

अक्सर, यहाँ इस बात पर ध्यान नहीं दिया जाता है, और यह एक गलती है। मसीह परमेश्वर की सच्ची छवि है। प्रभु यीशु को देखते हुए, हम सीखते हैं, कुछ बातों की पुष्टि करते हैं जिनके बारे में हमने सोचा था, और यहाँ तक कि एक और अच्छी दिशा की ओर भी इशारा करते हैं; डॉ. रॉबर्ट सी. न्यूमैन के पास इसे देखने का एक बहुत ही दिलचस्प तरीका है।

एंथनी एच ओकेमा, मेरे पसंदीदा धर्मशास्त्री लेखकों में से एक, जो अब प्रभु के साथ हैं, ने तीन उत्कृष्ट पुस्तकें लिखी हैं। इस पाठ्यक्रम से संबंधित एक पुस्तक है क्रिएटेड इन गॉड्स इमेज, जो मोक्ष के अनुप्रयोग पर चर्चा करती है। जॉन मुरे की छोटी पुस्तक के अलावा यह एकमात्र पुस्तक थी। क्या वे रेडियो वार्ताएँ थीं? मोचन पूरा हुआ और लागू हुआ।

हक्काबी की पुस्तक, सेव्ड बाय ग्रेस, वास्तव में बहुत अच्छी तरह से लिखी गई है। और फिर उनकी महान कृति, द बाइबल इन द फ्यूचर, जो कि एस्कैटोलॉजी पर एक पुस्तक है, अंतिम चीजों पर वास्तव में बहुत ही ठोस पुस्तक है। क्रिएटेड इन गॉड्स इमेज पर अपनी पुस्तक में, वह छवि के बहुत मूल्यवान होने के बारे में एक मुक्ति-ऐतिहासिक दृष्टिकोण दिखाता है।

यानी, हम मूल छवि, पतन के बाद धूमिल या खराब छवि, मसीह की धीरे-धीरे बहाल छवि और फिर मृतकों के पुनरुत्थान के बाद अंतिम दिन की परिपूर्ण छवि के बीच अंतर करते हैं। मैं उन सभी पर फिर से विचार करूँगा, लेकिन हम उत्पत्ति 1 से वहीं से शुरू करते हैं जहाँ हमें शुरू करना चाहिए। पुराने नियम में ईश्वर की छवि में मानव की रचना का तथ्य, उत्पत्ति 1:26 और 27। मैंने इसे कम से कम एक बार पहले ही पढ़ लिया है।

परमेश्वर द्वारा पुरुष और स्त्री की रचना को परमेश्वर की सृष्टि के सर्वोच्च कार्य के रूप में प्रस्तुत किया गया है। आइए हम मनुष्य को अपनी छवि में बनाएँ, इसलिए परमेश्वर ने उन्हें बनाया, नर और नारी, उसने उन्हें बनाया। उन्हें हमारी छवि में हमारी समानता के अनुसार बनाएँ, इसलिए उसने उन्हें अपनी छवि में बनाया, नर और नारी।

यह सिद्धांत कि मानवजाति का निर्माण सर्वोच्च कार्य है, पाँच प्रमाणों से पुष्ट होता है। पहला, ईश्वर ने अन्य प्राणियों के बाद मनुष्य को बनाया। कथा में इसे सृष्टि का सबसे महत्वपूर्ण भाग माना गया है।

दूसरा, परमेश्वर ने छठे दिन के अपने सृजनात्मक कार्य के बाद बहुत अच्छा घोषित किया, 1:31, पिछले दिनों में अच्छे के मूल्यांकन के विपरीत। श्लोक 4, 10, 12, 18, 21, और 25. एक बार फिर, मूल्यांकन अच्छा।

क्षमा करें, श्लोक 4, 10, 12, 18, 21, और 25. मुझे मिसौरी लॉटरी वाले की तरह और मेंढक की तरह महसूस हो रहा है। तीसरा, परमेश्वर ने आदम और हव्वा को बाकी सृष्टि पर अकेले ही प्रभुत्व दिया।

चौथा, मानवजाति की रचना अधिक व्यक्तिगत है। आइए हम सृजन के पिछले कार्यों के बजाय सृजन करें, जो कि होने दें। पांचवां, और हमारे वर्तमान चिंता के लिए सबसे महत्वपूर्ण, केवल पुरुष और महिला को छवि में बनाया गया था, भगवान की छवि और समानता में।

व्याख्या। फिर भगवान ने कहा, चलो, हम, सह-अस्तित्व में, या हम करेंगे, अपूर्ण, दोनों संभव हैं, मनुष्य को अपनी छवि में बनाएँ। इस शब्द का अर्थ छवि, समानता या समानता भी है।

क्या आपका मतलब है कि छवि शब्द का मतलब समानता हो सकता है? हाँ। बी.डी.बी., पुराने नियम का शब्दकोश, 853. हमारी समानता के अनुसार।

उस शब्द का अर्थ है समानता या समानता। लेक्सिकॉन 198. परमेश्वर ने मानवजाति को बनाने का अपना इरादा प्रकट किया है।

वह श्लोक 27 तक रचना नहीं करता। कुछ झिझक के साथ, मैं प्रथम-व्यक्ति बहुवचन सर्वनामों को त्रिएकत्व के नए नियम के सिद्धांत की पुराने नियम की प्रत्याशा मानता हूँ। हे भगवान, ब्रूस वाल्टके।

मैं ब्रूस वाल्टके से असहमत हूँ। यह अच्छा नहीं है। मैं सिर्फ़ एनआईवी स्टडी बाइबल की उत्पत्ति 126 से असहमत हूँ, जो सर्वनामों की व्याख्या इस प्रकार करती है कि ईश्वर अपने स्वर्गीय दरबार से बात कर रहा है।

हम सृष्टि का कार्य करते हैं और मनुष्य को उनकी छवि में बनाते हैं। ये तथ्य स्वर्गदूतों के संदर्भ को रोकते प्रतीत होते हैं। मेरा यहाँ बहुत ज़ोर देने का इरादा नहीं है।

जैसा कि मैंने कहा, वाल्टके और पुराने नियम के अन्य बेहतर व्याख्याकारों ने कहा कि यह स्वर्गीय न्यायालय का संदर्भ है। वास्तव में, वाल्टके ने चार अन्य स्थानों को दिखाकर मेरी थीसिस को गड़बड़ कर दिया है, जहां पुराने नियम में स्वर्गीय न्यायालय का उल्लेख किया गया है। इसलिए, मैं तटस्थ हूँ।

चाहे यह ईश्वर के स्वर्गीय दरबार का संदर्भ हो या पुराने नियम की प्रत्याशा, मैंने त्रिएकत्व के नए नियम के सिद्धांत की शिक्षा नहीं कही। छवि और समानता हिब्रू समानांतर हैं जिन्हें समानार्थी रूप से लिया जाना चाहिए। ऐसा हमेशा से नहीं किया गया है।

इरेनियस ने उनकी अलग-अलग और गलत व्याख्या की। भगवान ने अपने सर्वोच्च प्राणी, मनुष्य को कुछ विशेष अर्थों या इंद्रियों में अपने जैसा बनाया। इंद्रियाँ इस तथ्य से नहीं आती हैं कि वे दो शब्द हैं।

वे समानार्थी हैं, वस्तुतः समानार्थी हैं, जैसा कि शब्दकोश में छवि की परिभाषा में है, जिसमें समानता भी शामिल है। दूसरे शब्द के लिए समानता शब्द प्रदर्शित किया गया है। लेकिन क्योंकि छवि और समानता समानार्थी हैं, इसलिए वे एक या अधिक चीजों को संदर्भित कर सकते हैं।

अगली अभिव्यक्ति, आप चिड़ियाघर क्यों हैं, को दो तरीकों से लिया जा सकता है: औचित्य सिद्ध करने के लिए और उन्हें शासन करने दें, या अपूर्ण के रूप में, जिस स्थिति में काल का क्रम नाशी

को सहवर्ती और अपूर्ण के रूप में लेगा, जो उद्देश्य या परिणाम दिखाएगा। लैम्बडेन का व्याकरण, अध्याय 27, पैराग्राफ 107। यानी, ताकि वे शासन कर सकें।

बीडीबी संकेत देता है कि राडा, शासन करने के लिए, आमतौर पर चारा पूर्वसर्ग लेता है, इसलिए यह यहाँ है। चारा पूर्वसर्ग उन विभिन्न क्षेत्रों को चिह्नित करता है जिन पर मानव जाति को शासन करना है। समुद्री जानवर, पक्षी, भूमि पर चलने वाले जानवर, भूमि पर रेंगने वाले जानवर, और वास्तव में, उद्धारण, पूरी पृथ्वी पर शासन करने के लिए, श्लोक 26।

उत्पत्ति 1:27 हमें बताता है कि परमेश्वर ने आगे बढ़कर मनुष्य को अपनी छवि में बनाने की अपनी योजना को क्रियान्वित किया, उद्धारण, इसलिए परमेश्वर ने मनुष्य को अपनी छवि में बनाया। परमेश्वर की छवि में, उसने उसे बनाया। एक अतिरिक्त जानकारी दी गई है: "नर और मादा, उसने उन्हें बनाया।"

यह हमें बताता है कि ईश्वर ने शुरू से ही मानवजाति को नर और मादा बनाया है। मैं बार्थ के इस विचार को अस्वीकार करता हूँ कि मनुष्य की विविधता में एकता, नर और मादा कामुकता, ईश्वर की छवि है। फिर भी, यह श्लोक ईश्वर के समक्ष पुरुष और स्त्री की समानता सिखाता है, क्योंकि दोनों ही उसकी छवि में बने हैं।

यह समानता परिवार में पुरुष प्रधानता के साथ असंगत नहीं है क्योंकि आदम ने हव्वा का नाम रखा था, और वह उससे बनी थी और उसे एक सहायक के रूप में दी गई थी। फिर भी, इस आयत को 1 कुरिन्थियों 11:7 और 9 की उन व्याख्याओं को खारिज करना चाहिए जो महिलाओं को ईश्वर की छवि से वंचित करती हैं। मुझे ऐसी किसी भी गलत व्याख्या के बारे में पता नहीं है, लेकिन अगर ऐसा था, तो वे गलत हैं।

परमेश्वर मसीह का मुखिया है; मसीह पुरुष का मुखिया है, और पुरुष स्त्री का मुखिया है; 1 कुरिन्थियों 11:7 और 9 महिलाओं के लिए परमेश्वर की छवि से इनकार नहीं करता है। अच्छाई, उत्पत्ति 1:28 कहता है, उद्धारण, परमेश्वर ने उन्हें आशीर्वाद दिया और उनसे कहा, फलदायी बनो और बढ़ो, और पृथ्वी को भर दो और उसे अपने अधीन करो, और प्राणियों पर शासन करो, उद्धारण बंद करें। आदम और हव्वा को पृथ्वी को आबाद करने के लिए बच्चे पैदा करने थे।

इस प्रकार कामुकता और प्रजनन उनके जीवन पर ईश्वर के आशीर्वाद का हिस्सा थे। मैं इस पाठ के साथ-साथ उत्पत्ति 2:24, 25 के आधार पर पुरुष/महिला यौन संबंधों की आदर्शता के लिए तर्क दूंगा। इस कारण से, एक आदमी अपने पिता और माँ को छोड़ देगा और अपनी पत्नी से लिपटा रहेगा, और वे दोनों एक तन बन जाएँगे।

समलैंगिकता ईश्वर के सृष्टि विधान के विपरीत है। उत्पत्ति 1:28 में, हम फिर से मनुष्य के प्रभुत्व की अवधारणा का सामना करते हैं। हमने इस खंड को पुराने नियम में ईश्वर की छवि में मानव प्राणियों के निर्माण के तथ्यों, या तथ्य के रूप में शीर्षक दिया है क्योंकि यह तथ्य है जिस पर जोर दिया गया है।

हमें इस बारे में बहुत कम या कुछ भी नहीं बताया जाता कि छवि वास्तव में क्या है। लियोनार्ड वर्दन का तर्क है कि छवि में प्रभुत्व रखने वाले व्यक्ति की भूमिका शामिल है। वर्दन एक अच्छे विचार पर अत्यधिक जोर देते हैं, जो विद्वानों की एक आम गलती है।

मैं यह नहीं कह सकता कि उत्पत्ति 1 के श्लोक 26 से 28 में परमेश्वर की छवि में मनुष्य का प्रभुत्व शामिल है। मैं कहूंगा कि कम से कम दोनों के बीच एक संबंध तो है। कोई यह कह सकता है कि बाकी सृष्टि पर मनुष्य की भूमिका उसके परमेश्वर की छवि में बनाए जाने का परिणाम है।

कोई यहाँ तक कह सकता है कि इमागो देई, मैंने अभी तक उस अभिव्यक्ति का उपयोग भी नहीं किया है, ईश्वर की छवि, इमागो देई में मनुष्य का प्रभुत्व शामिल है। ईश्वर ने आदम और हव्वा को बाकी सृजित व्यवस्था पर प्रभुत्व देकर मनुष्य को अपने जैसा बनाया। ईश्वर स्वर्ग और पृथ्वी का स्वामी है।

भगवान ने मनुष्य को अन्य प्राणियों के ऊपर प्रभु, छोटा बनाया। मानवीय न्याय के उच्च दृष्टिकोण के लिए आवेदन किए जाने चाहिए; उत्पत्ति 9 हमारे लिए, अपने साथी मनुष्य के लिए, और हमारी पारिस्थितिक जिम्मेदारियों के लिए ऐसा करता है। निश्चित रूप से, भगवान के लोगों को भगवान के ग्रह की देखभाल के बारे में चिंतित होना चाहिए।

उत्पत्ति 5:1-2 और 9:6. उत्पत्ति 5:1-2 में केवल वही जानकारी दोहराई गई है जिसका हम पहले ही अध्ययन कर चुके हैं। हमें यहाँ इस पर अधिक समय बिताने की आवश्यकता नहीं है।

उत्पत्ति 9:6 में परमेश्वर जलप्रलय के बाद नूह और उसके बेटों से बात करता है और कहता है, उद्धरण, जो कोई मनुष्य का खून बहाएगा, उसका खून मनुष्य ही बहाएगा। क्योंकि परमेश्वर ने मनुष्य को अपनी छवि में बनाया है, उद्धरण बंद करें। यहाँ निहितार्थ यह है कि पतित मनुष्य अभी भी, कुछ अर्थों में, परमेश्वर की छवि में हैं।

यह तथ्य हत्यारों के लिए मृत्युदंड के आधार के रूप में दिया गया है। यदि यह केवल मनुष्य के सृजित होने के कारण सत्य होता और पतित मनुष्य के कारण सत्य नहीं होता, तो यह मृत्युदंड के आधार के रूप में मनुष्य के ईश्वर की छवि में होने का अधिक महत्व नहीं रखता। मैं निष्कर्ष निकालता हूँ कि उत्पत्ति 9-6 में पतित मनुष्यों को ईश्वर की छवि में होने के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

यहाँ छवि का एक सारगर्भित दृष्टिकोण निहित है। किसी अन्य मनुष्य पर हमला करना परमेश्वर की छवि पर हमला करना है। मैं ध्यान देता हूँ कि याकूब 3:9 उत्पत्ति 9:6 की गवाही से सहमत है कि पतित मनुष्य अभी भी कुछ अर्थों में परमेश्वर की छवि में हैं।

यह प्रसिद्ध डच धर्मशास्त्री जी.सी. बर्कौवर थे जिन्होंने दावा किया था कि छवि पूरी तरह से मिट गई है, पूरी तरह से खो गई है। यह गलत है। यह गलत है।

यह बहुत ही खराब है। मैंने एक बार एक कैदी का इंटरव्यू देखा था, जिसे सुनकर मैं रो पड़ा। ओह, यह आदमी साथी इंसानों के प्रति इतनी नफरत से भरा हुआ था कि यह बस घिनौना था।

मेरा दिल उसके लिए दुखी था क्योंकि जो चीज उसे इतना बुरा बनाती थी, वह थी, एक पागल जानवर की तुलना में। हमें पागल कुत्ते को मारना पड़ा, है न? यह कुत्ता नहीं है। यह भगवान की छवि में बनाया गया एक इंसान है।

और जब उन्होंने उसका इंटरव्यू लिया, तो वह भड़क गया। अगर मैं इस ब्लैकेटी-ब्लैकेटी-ब्लैकेटी जगह से बाहर निकला, तो मैं फिर से हत्या करूँगा। ब्लैकेटी-ब्लैकेटी-ब्लैकेटी।

यह बहुत दुखद था। यह भयानक बदसूरत पेंट लेकर मोना लिसा पर छिड़कने या पीटा या किसी खूबसूरत मूर्ति पर हथौड़ा चलाने जैसा था। यह भयानक था।

एक बात जो मनुष्य के पाप को, यहाँ तक कि हमारे पाप को भी, इतना कुरूप बनाती है, वह है। वास्तव में, हमें परमेश्वर का प्रतिबिम्ब बनने के लिए बनाया गया है। जेम्स मानवीय वाणी की चंचलता के बारे में बात करते हैं जब वे कहते हैं, उद्धरण, जीभ से हम अपने प्रभु और पिता की स्तुति करते हैं। यह अच्छी बात है, है न? हाँ।

लेकिन अगर आप वाक्य को पूरा करते हैं, तो यह कुछ अच्छा नहीं है। और इसके साथ, हम उन मनुष्यों को शाप देते हैं जिन्हें परमेश्वर की समानता में बनाया गया है। इसका अर्थ यह है कि हमारी जीभ चंचल है।

वे मनमौजी हैं। हम भगवान की स्तुति करते हैं। हम उनकी छवि धारण करने वाले भगवान को कोसते हैं।

उत्पत्ति में हमें परमेश्वर की छवि के संज्ञानात्मक या नैतिक पहलुओं के बारे में नहीं बताया गया है। हम यीशु मसीह में परमेश्वर की छवि की पुनर्स्थापना के अध्ययन की ओर आगे बढ़ेंगे। यह तथ्य कि छवि को पुनर्स्थापित करने की आवश्यकता है, इसका तात्पर्य है कि पतन ने इसे प्रभावित किया।

यदि उत्पत्ति 9:6 सिखाता है कि पतित मनुष्य छवि को बनाए रखता है, तो नया नियम हमें सूचित करता है कि इमागो देई पाप से कलंकित हो गया है और उसे बहाल करने की आवश्यकता है। यह नया नियम है जिस पर हम कल ध्यान देंगे। लेकिन मुझे छवि के बारे में होकेमा के मुक्ति-ऐतिहासिक दृष्टिकोण के साथ काम करने दें।

जब मैं छवि का सारांश प्रस्तुत करूँगा, तो मैं कई बातों को ध्यान में रखूँगा। एक बात यह है। छवि के स्पष्ट रूप से चार मुक्तिदायी ऐतिहासिक चरण हैं।

परमेश्वर ने आदम और हव्वा को अपनी छवि में बनाया। उन्होंने उसकी छवि को धारण किया। यह छवि खराब नहीं हुई।

यह सही था। यह इस अर्थ में परिपूर्ण नहीं था कि यह अंत में परिपूर्ण हो जाएगा, इसे कलंकित नहीं किया जा सकता। लेकिन यह ईश्वर की सच्ची छवि थी।

जैसा कि हम देखेंगे, यह परमेश्वर की सच्ची छवि थी, जिसका अर्थ है आने वाले प्रभु यीशु मसीह की भी। पतन में, छवि खराब हो जाती है। यह कलंकित हो जाती है।

यह वैसा नहीं है जैसा इसे होना चाहिए। लेकिन यह पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है। यही बात उत्पत्ति 9 में हत्या को इतना बुरा बनाती है। यही बात याकूब 3 में जीभ से पाप करने को इतना बुरा बनाती है। पौलुस हमें कुलुस्सियों 3, 9, और 10, इफिसियों 4, 22 से 24 में मसीह में छवि की पुनर्स्थापना के बारे में सिखाता है, जो स्पष्ट रूप से पुनर्स्थापना की आवश्यकता को दर्शाता है।

फिर, मसीह में विश्वास के माध्यम से अनुग्रह द्वारा पुनर्स्थापना स्वयं आती है। यह पुनर्स्थापना तात्कालिक नहीं बल्कि आजीवन होती है। हम मसीह में परमेश्वर की छवि में पुनर्स्थापित हो रहे हैं।

दूसरे शब्दों में कहें तो, मसीह में, उसके साथ एकता में, परमेश्वर धीरे-धीरे एक विश्वासी की छवि को पुनर्स्थापित करता है। अर्थात्, मसीहियों को बढ़ना चाहिए और उद्धार पाने के 10 साल बाद मसीह की बेहतर छवि बनानी चाहिए, जब वे पहली बार थे और इसी तरह आगे भी। और हम सभी परिपक्व, परिपक्व पुराने संतों से मिले हैं।

पादरी अस्पताल में जाकर उस प्यारे संत को सांत्वना देता है जो कैंसर से मर रहा है, और वह ऐसा करने के लिए वहाँ जाता भी है। और इसके बजाय, वह उसे बहुत सांत्वना देती है, अपने जीवन में और अपने होठों से परमेश्वर के वचनों से भरकर। और पादरी, क्या यह ठीक है कि मैं आपके लिए शास्त्र का पाठ करूँ और इसी तरह आगे भी करता रहूँ? ओह, यह बहुत सुंदर है।

इसकी तुलना किसी ऐसे चिड़चिड़े बूढ़े व्यक्ति से करें जो प्रभु को नहीं जानता। मैंने ऐसे पादरियों को देखा है जो जानबूझकर किसी ऐसे व्यक्ति से बात करने जाते हैं जो बस, ओह, उसने कभी विश्वास नहीं किया, पादरी। शायद अब प्रभु, ओह नहीं, वह विश्वास करने के लिए तैयार नहीं है।

यहाँ से चले जाओ, तुम बेवकूफ़, तुम जानते हो, पवित्र धुआँ। बस भगवान के आदमी को आशीर्वाद दो। और फिर, भगवान के आदमी के चेहरे पर आँसू आ गए क्योंकि यह भगवान की छवि में बनाया गया कोई व्यक्ति है।

और कौन जानता है कि उसकी मृत्यु में क्या हुआ? उसका अंत इस तरह हुआ, लेकिन उसका अंत इस तरह हुआ। फिर भी, पादरी का काम सुसमाचार प्रस्तुत करने का प्रयास करना था। और परमेश्वर पापियों के प्रति अच्छा है।

मूल छवि, खराब छवि, मसीह में बहाल छवि, और पूर्ण छवि अंतकाल की प्रतीक्षा कर रही है। यह केवल मसीह की वापसी और शरीर के पुनरुत्थान के साथ ही है कि छवि उस तरह से पूर्ण हो जाएगी जैसी वह पहले कभी नहीं थी। एक मिनट रुकिए, ऐसा कभी नहीं हुआ।

आदम और हव्वा के पास असली मूल छवि थी, है न? हाँ। लेकिन यह इस अर्थ में परिपूर्ण नहीं था कि यह कलंकित होने में असमर्थ था क्योंकि उन्होंने पाप किया था। आप कहते हैं, एक मिनट रुको, पुनरुत्थान, यह शरीर जैसा लगता है।

ओह, यह शरीर है। तो, आपने पहले कहा था, जब आप मूल या संरचनात्मक के बारे में सोचते हैं तो सिर्फ़ शरीर के बारे में मत सोचिए; यह सही है। लेकिन मैंने यह नहीं कहा कि आप शरीर के बारे में मत सोचिए।

वास्तव में, इस जीवन में, हम भगवान की छवि को केवल बच्चों के रूप में ही देख सकते हैं, उदाहरण के लिए, अपनी माताओं के चेहरे और हाथों में शिशुओं और बच्चों के रूप में। हम कभी भी ईश्वर की छवि को मानव शरीर से अलग नहीं देख सकते। छवि की अंतिम अभिव्यक्ति में वास्तव में एक शारीरिक पहलू शामिल होगा।

इसके बारे में कल और अधिक जानकारी दी जाएगी। भगवान की इच्छा से, हम पॉल के प्रतिमा की पुनर्स्थापना के सिद्धांत पर चर्चा करेंगे। अभी के लिए, इन व्याख्यानो पर ध्यान देने के लिए आपका धन्यवाद, और भगवान आपका भला करे।

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा मानवता और पाप के सिद्धांतों पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 4 है, मनुष्य में ईश्वर की छवि।